भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2065

दिनांक 11 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

खाद्य तेलों और दालों का निर्यात

2065. श्री चन्द्र प्रकाश जोशी:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान खाद्य तेलों और दालों का कितनी मात्रा में आयात किया गया है;
(ख) सरकार द्वारा निर्यात किए गए खाद्य तेलों और दालों की मात्रा कितनी है; और
(ग) इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क): विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान आयातित खाद्य तेलों और दालों की मात्रा का वर्ष-वार ब्यौरा निम्नवित है:

भारत का दालों और खाद्य तेलों का आयात

मात्रा एलएमटी में

वस्तुएं	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 (अप्रैल-नवंबर)
दालें	26.99	24.96	47.39	41.50
खाद्य तेल	145.66	159.63	157.09	122.59

स्रोत: डीजीसीआईएस

(ख): सरकार द्वारा निर्यात किये गये खाद्य तेलों और दालों की मात्रा निम्नवित है:

भारत का दालों और खाद्य तेलों का निर्यात

मात्रा एलएमटी में

वस्तुएं	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 (अप्रैल-नवंबर)
दालें	3.87	7.63	5.94	4.23
खाद्य तेल	8.93	10.26	11.11	7.74

स्रोत: डीजीसीआईएस

(ग): भारत सरकार कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय (एमओए एंड एफडब्ल्यू) के माध्यम से देश में दालों और आवश्यक खाद्य तेलों के उत्पादन में सुधार के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन - दालें (एनएफएसएम-दालें) और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - पाम ऑयल (एनएमईओ-ओपी) जैसे विभिन्न कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कर रही है। विवरण निम्नलिखित लिंक पर उपलब्ध हैं:
https://www.nfsm.gov.in/
https://nmeo.dac.gov.in/

इसके अलावा, माननीय वित्त मंत्री ने 2025-26 के केंद्रीय बजट भाषण में 6 वर्षीय " दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन" की घोषणा की, जिसमें तूर/ अरहर (मटर), उड़द (काली दाल) और मसूर (लाल दाल) पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह मिशन जलवायु अनुकूल बीजों के विकास और इनकी व्यावसायिक उपलब्धता, प्रोटीन सामग्री को बढ़ाने, उत्पादकता बढ़ाने, कटाई के बाद भंडारण और प्रबंधन में सुधार करने और किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने पर बल देगा।

*****